



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 492]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 14, 1985/कार्तिक 23, 1907

No. 492]

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 14, 1985/KARTIKA 23, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1985

अधिसूचना

सा.का.नि. 838 (अ).—केंद्रीय सरकार, चीनी विकास निधि अधि-  
नियम, 1982 (1982 का 4) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग  
करते हुए, चीनी विकास निधि नियम, 1983 में और संशोधन करने के  
लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम चीनी विकास निधि (दूसरा  
संशोधन) नियम, 1985 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. चीनी विकास निधि नियम, 1983 (जिसे इसमें इसके आगे उक्त  
नियम कहा गया है) के नियम 2 के खण्ड (छ) में, उपधारा (2)  
के अधीन विनिर्दिष्ट की जाए, शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित अन्तः  
स्थापित किया जाएगा; अर्थात्:—

“या भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक अधिनियम, 1984 (1984  
का 62) की धारा 3 के अधीन स्थापित भारतीय औद्योगिक  
पुनर्निर्माण बैंक,”

3. उक्त नियम के नियम 16 में:—

(i) उप नियम (9) में:—

(क) खण्ड (ii) में “और जहां तक सम्भव हो, निबंधन और  
शर्तों के आनुसंगिक होंगे,” शब्दों से प्रारंभ होने वाले,

और “उक्त स्कीम से संबंधित करार के निबंधन और शर्तों  
के आधार पर होंगे” शब्दों से समाप्त होने वाले भाग का  
लोप कर दिया जाएगा;

(ख) खण्ड (ii) के पश्चात् निम्नलिखित रखा जाएगा; अर्थात्:—

“(iii) चीनी विकास निधि से ऋण पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष  
के साधारण ब्याज की रियायती दर होगी। ऋण  
की राशि के प्रतिसंधाय या उसकी कोई किस्त या  
उस पर ब्याज के संदाय में कोई व्यक्ति क्रम की दशा  
में चीनी उपक्रम द्वारा व्यक्तिगत की रकम पर प्रति  
वर्ष द्वाइ प्रतिशत की दर पर, प्रतिरिक्त ब्याज देय  
होगा।

(iv) इस नियम के अधीन ऋण और उस पर ब्याज का प्रति  
संदाय संस्थागत ऋण और उस पर पूरे ब्याज के  
प्रतिसंधाय/भुगतान की तारीख से एक वर्ष की समाप्ति  
या निधि ऋण संवितरण की तारीख से गणना करवाठ  
वर्षों की अवधि की समाप्ति पर, इनमें से जो पहले हो,  
प्रारंभ होगा और निधि से ऋण और उस पर देय  
ब्याज पांच से अधिक वार्षिक किस्तों में वसूल किया  
जाएगा।”

(ii) उप नियम (10) का लोप किया जाएगा।

4. उक्त नियम के नियम 17 में—

(i) उप नियम (1) में वर्तमान परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

“परन्तु यह कि निधि से ऋण नही लिया जाएगा जब चीनी उपक्रम या राज्य सरकार, मांगे गए ऋण का कम से कम 10 प्रतिशत समरूप धन के रूप में अपने ही साधनों से अग्रिमदाय करेगे।”

(ii) उपनियम (3) के खण्ड (क) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात्—

“(क) इस नियम के अधीन दी गई ऋण की रकम पर प्रति वर्ष 6 प्रतिशत के साधारण व्याज की रियायती दर होगी और ऋण का प्रतिसंदाय, उक्त ऋण के संचितरण की तारीख से गणना कर तीन वर्ष की अग्रिस्थगन अवधि की समाप्ति पर प्रारम्भ होगा और चार से अधिक बराबर वार्षिक किश्तों में प्रतिदाय किया जाएगा और ऋण पर व्याज का संदाय ऋण लेने की तारीख से एक वर्ष की समाप्ति के बाद प्रतिवर्ष किया जाएगा।”

[सं. 1-2/84-एस.डी.एफ. I]

गुरदेव सिंह, उप सचिव

## MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES

(Department of Food)

New Delhi, the 14th November, 1985

### NOTIFICATION

G.S.R. 838(E).—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Sugar Development Fund Act, 1982 (4 of 1982), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Sugar Development Fund Rules, 1983, namely:—

1. (1) These Rules may be called the Sugar Development Fund (Second Amendment) Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Sugar Development Fund Rules, 1983 (hereinafter referred to as the said Rules), in clause (g) of rule 2, the following shall be inserted at the end, namely:—

“or the Industrial Reconstruction Bank of India established under section 3 of the Industrial Reconstruction Bank of India Act, 1984 (62 of 1984)”.

3. In rule 16 of the said rules,—

(i) In sub-rule (9) :—

(a) In clause (ii), the portion beginning with the words “and shall, as far as possible, be identical to the terms and conditions” and ending with the words “on the lines of the terms

and conditions of the agreement relating to the said scheme” shall be omitted ;

(b) after clause (ii), the following clauses shall be inserted, namely:—

“(iii) The loan from the Sugar Development Fund will carry a concessional rate of simple interest of 6 per annum. In case of any default in repayment of the amount of the loan, or payment of any instalment thereof or interest thereon, an additional interest at the rate of two and half per cent per annum on the amount of default shall be payable by the sugar undertaking.

(iv) The repayment of loan under this rule together with interest thereon shall commence after the expiry of one year from the date of repayment/payment of Institutional loan and interest thereon in full or on the expiry of a period of eight years reckoned from the date of disbursement of fund loan, whichever is earlier and loan from the fund along with interest due thereon shall be recoverable in annual instalment not exceeding five in number.” ;

(ii) sub-rule (10) shall be omitted.

4. In rule 17 of the said rule, —

(i) in sub-rule (1), after the existing proviso, the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided further that the loan from the Fund shall be granted only if the Sugar Undertaking or the State Government contributes a minimum of 10 per cent of the loan applied for from its own resources as margin money.” ;

(ii) in sub-rule (3), for clause (a), the following clause shall be substituted, namely :—

(a) The amount of loan advanced under rule shall carry a concessional rate of simple interest of 6 per cent per annum and the repayment of the loan shall commence on the expiry of moratorium of three years reckoned from the date of disbursement of the said loan and shall be repaid in equal annual instalments not exceeding four in number and the interest on the loan shall be paid annually after the expiry of one year from the date of drawal of loan.”

[No. 1-2/84-SDF-I]

GURDEV SINGH, Dy. Secy. (SF)